वाराणसी | 15 मार्च 2015

अमर उजाला

ऊर्जांचल

जिले के शैलचित्रों के संरक्षण की है जरूरत

घोरावल (सं.)। देवगढ़ महोत्सव के तहत शनिवार को विंध्य की आदिम सभ्यता और शैलचित्र विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शैलचित्रों के संरक्षण की जरूरत पर चर्चा की गई।

महोत्सव में दूर दराज से आए विद्वानों ने शैलचित्रों से जुड़ी सभ्यता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि शैलचित्रों में प्राचीन सभ्यता, देवपूजा, पर्यावरण समेत तमाम संदेश छिपे हुए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमाशंकर पांडेय और संचालन जितेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर डा. बीएल मल्ला, डा. चंद्रमोहन नौटियाल, इंद्रनाथ सिंह, सरजीत सिंह डंग, सहायक मत्स्य निदेशक अरविंद मिश्रा, सुधाकर शर्मा, पीएल मिश्रा, डा. आरपी नारायण, प्रदीप चंद्र शुक्ल मौजूद रहे। इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल पर शुक्रवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डा. सुमेर सिंह शैलेश ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कवि ओमपाल सिंह निडर, विश्वनाथ द्विवेदी, विभा सिंह, लखनवी, डा. बृजेश सिंह, सुधाकर शर्मा, सतीश चंद्र भावुक, राजेंद्र तिवारी, डा. कृष्णावतार त्रिपाठी, डा. लखन राम ने कविता सुनाई। संचालन डा. नरेश कात्यायन ने किया।

हिन्दुस्तान वाराणसी • रविवार • 15 मार्च 2015

शिवद्वार से सटे देवगढ़ में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन लोकसंगीत का कार्यक्रम आयोजित

विंध्य की सभ्यता व शैलचित्रों पर की चर्चा

महोत्सव

- रात में कवि सम्मेलन, दिन में हुई परिचर्चा व लोकसंगीत
- आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कलाकारों ने पेश किया गायन

घोरावल | हिन्दुस्तान संवाद

तहसील क्षेत्र के शिवद्वार से सटे देवगढ़ गांव में आयोजित दो दिवसीय देवगढ़ महोत्सव के दूसरे और अंतिम दिन शनिवार को लोकसंगीत के कार्यक्रम में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कलाकरों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम पेश कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पूर्व द्वितीय सत्र में कवि सम्मेलन और तृतीय सत्र में विन्ध्य की आदिम सभ्यता और शैलचित्र विषय पर परिचर्चा की गई।

प्रभा श्री ग्रामोदय सेवा आश्रम के तत्वावधान में आयोजित देवगढ़ महोत्सव में शुक्रवार की देर शाम आठ बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कवि आयोजित इस कार्यक्रम में सतना, कन्नौज, फिरोजाबाद विलासपुर, लखनऊ, बालाघाट, मिर्जापुर, भदोही समेत कई जनपदों से आए कवियों ने कविताएं पढ़ी।

तृतीय सत्र का शुभारंभ मुख्यनिदेशक विश्व विद्यालय इन्दौर प्रो. पीएन मिश्र ने किया। इस दौरान विन्ध्य की आदिम सभ्यता और शैलचित्र पर वक्ताओं ने विस्तृत प्रकाश डाला। अध्यक्षता नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो. केबी पाण्डेय ने किया। वक्ताओं ने सोनभद्र में 31 मार्च से रॉक पेंटिंग पर अध्ययन होने की बात कही। चतुर्थ सत्र दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक हुआ।

इसके मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम मुकेश मेश्राम रहे और अध्यक्षता गौरवकृष्ण बंसल ने किया। कार्यक्रम में कलाकारों ने भोजपुरी, लोकगीत आदि की प्रस्तुति दी। इस मौके पर पं. रमाशंकर पाण्डेय, डा. सरजीत सिंह डंग, डा. जितेन्द्र कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

चित्र प्रदर्शनी देखने के लिए उमड़ी भीड़

घोरावल। देवगढ़ महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को चित्र प्रदर्शनी भी लगायी गई। विशेष आकर्षण के रुप में सजायी गई प्रदर्शनी में देवगढ़ ताल्लुका के शैलचित्रों एवं मूर्तियों के फोटोग्राफ आदि लगाए गए थे। प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय की तरफ से लगाई गई प्रदर्शनी को देखने के लिए पूरे दिन लोगों की आवाजाही लगी रही। विभिन्न प्रकार की चित्र प्रदर्शनी को देखकर लोग गद्गद दिखे। हिसं

कवि सम्मेलन में इन्होंने बहायी काव्य की रसधार

घोरावल। देवगढ़ महोत्सव में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कई जिलों के कवियों ने भाग लिया। इसमें प्रमुख रुप से ओमपाल सिंह निडर ने- रावण के पुतले के मारने से क्या मिलेगा, भारत में बैठे हुए रावणों को मारिए... प्रस्तुत किया। इसी क्रम में विश्वनाथ द्विवेदी ने जो माटी का मोहक संगीत सुनाती है, जो मानवता का विजयकेतु फहराती है... प्रस्तुत कर मौजूद लोगों में वीर रस का संचार किया। इसके अलावा विभा सिंह, डा. डंडा लखनवी, डा. शिवमंगल सिंह, पं. सुधाकर शर्मा, डा. बृजेश सिंह आदि ने अपनी कविताएं पढ़ी।

घोरावल के देवगढ़ महोत्सव में आयोजित काव्य गोष्ठी में कविता पाठ करते कवि • हिन्दुस्तान

अमर उजाला
वाराणसी। शनिवार। 14 मार्च 2015

पर्यटन क्षेत्र में विकास के लिए होगा प्रयास

देवगढ़ महोत्सव में राज्यपाल रामनाईक ने दिया भरोसा, कई विभूतियां प्रभाश्री सम्मान से नवाजी गईं

संवाददाता

घोरावल (सोनभद्र)। गुप्त काशी के रूप में विख्यात शिवद्वार से सटे देवगढ़ गांव में देवगढ़ महोत्सव का उद्घाटन शुक्रवार की दोपहर में हुआ। इस मौके पर राज्यपाल रामनाईक ने कई विभूतियों को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रभाश्री सम्मान से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र का विकास और पर्यटन स्थल बनवाने का प्रयास करेंगे।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रामनाईक और अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने की। विभा सिंह ने सरस्वती वंदना और कवि रमाशंकर विकल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने कहा कि देवगढ़ ऐतिहासिक स्थल है। हिंदुस्तान में

कहा, कर्तव्य का पालन करना ही मानव धर्म

ऐतिहासिकता के नजरिए से कई उपेक्षित स्थान हैं, जिनमें से एक सोनभद्र भी है। विद्वानों को देवगढ़ का पूरा इतिहास अच्छी तरह से प्रकाशित करना चाहिए। उसके प्रकाशन की उन्होंने खुद जिम्मेदारी ली। कहा कि वे देवगढ़ के विकास के लिए प्रयास करेंगे। पर्यटन के क्षेत्र में विकास के लिए वे शासन के अधिकारियों और मंत्रियों के सामने यहां की समस्या रखेंगे। राज्यपाल ने जाति और धर्म की राजनीति पर भी कटाक्ष किया। कहा कि सभी को मानव धर्म का पालन करना चाहिए। कर्तव्य का पालन ही धर्म है। भगवान श्रीराम ने कर्तव्य का पालन किया और इसीलिए आज भी उनकी प्रासंगिकता है। भारतीय संस्कृति अनेकता में एकता की है। यहां गंगा-जमुनी तहजीब है। सभी लोग कर्तव्य का धर्म निभाएं तो समस्याएं खुद हल हो जाएंगी। कहा कि हीरा कोयले की खदान में मिलता है। उसमें जाने में हाथ काले हो जाते हैं मगर मगर उन्हें यहां हीरे ही हीरे मिले हैं। इसके पूर्व कार्यक्रम के प्रधान संयोजक यूपी सरकार के पूर्व मंत्री सरजीत सिंह डंग ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने सोनभद्र के पिछड़ेपन पर चर्चा की और देवगढ़, शिवद्वार समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग राज्यपाल से की। कार्यक्रम के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने राज्यपाल को इस पिछड़े क्षेत्र में समय देने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के सह संयोजक जितेंद्र सिंह संजय ने संचालक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक तीरथराज, ब्लाक प्रमुख मधुसुदन सिंह, मुरारी गुप्ता, संदीप सिंह चंदेल, राजकुमार चौबे, हिमांशु कुमार राजबहादुर सिंह, श्रवण जी, कृष्ण लालजी तिवारी, माला चौबे, सिंह, गणेश देव पांडेय आदि रहे।

देवगढ़ महोत्सव में राज्यपाल को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक मंडल के लोग। अमर उजाला

इन विभूतियों को मिला प्रभाश्री स

प्रो. ओमपाल सिंह निडर, प्रो. केवी पांडेय, डा. पृथ्वीराज सिं प्रभुनारायण मिश्र, डा. वीएल मल्ला, डा. चंद्रमोहन नौटियाल, निर्मोही, दयाशंकर पाठक, डा. नरेश कात्यायन, डा. शक्ति कु डा. महेंद्र सिंह तोमर, सतीश चंद्र शुक्ल, डा. कैलाश पति त्रिप आरपी नारायण, डा. शिवनारायण कुरील, डा. बृजेश सिंह को सम्मान दिया गया। इनके अलावा कुछ और लोगों को सम्म जाना था, लेकिन वे नहीं पहुंच सके थे।

पुस्तकों का लोकार्पण

घोरावल। देवगढ़ महोत्सव के उद्घाटन सत्र में राज्यपाल रा कई पुस्तकों का लोकार्पण किया। इसमें कार्यक्रम के सह स कुमार सिंह संजय का हिंदी काव्यशास्त्र, सोनभद्र का समाज राजनाथ मिश्र का अभय जीवन पक्ष, डा. बृजेश सिंह का जल समाधान और छंद प्रभाकर, डा. लखन राम जंगली का आयु और डा. प्रबोध कुमार की पुस्तक का लोकार्पण किया।

हिंदी बोलने में नहीं हूं अनाड़ी

घोरावल। राज्यपाल अपने भाषण के दौरान कई बार हिंदी बो अटके। भाषण में कुछ मराठी के अंश आने पर उन्होंने कहा के हैं और मराठी बोलते हैं। लेकिन कोई यह न समझे कि वे में अनाड़ी हैं। अब वे अच्छी खासी हिंदी बोल लेते हैं।

गायत्री नाम पर ली चुटकी

घोरावल। राज्यपाल रामनाइक ने भाषण के दौरान गायत्री ना चुटकी ली। कहा कि आजकल एक गायत्री का नाम चल रह गायत्री महिला का नाम होता है। लेकिन यहां नाम में भी अस होता है। ज्यादा किताबों के लोकार्पण पर भी बोले। कहा 80 र गई। पहली बार एक साथ इतनी किताबों का लोकार्पण किया।

हिन्दुस्तान
वाराणसी • शनिवार • 14 मार्च 2015

प्रदेश की कानून व्यवस्था सख्त करने की जरूरत

घोरावल (सोनभद्र) | हिन्दुस्तान संवाद

उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री अखिलेश यादव प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कानून व्यवस्था को और सख्त करने की जरूरत है। राजधानी लखनऊ में सुरक्षाकर्मी एवं व्यापारी की निर्मम हत्या, इलाहाबाद में वकील को दिनदहाड़े गोली मार कर हत्या करना चिंता का विषय है। यह बात शुक्रवार को घोरावल तहसील क्षेत्र के देवगढ़ में आयोजित प्रभाश्री सम्मान समारोह (देवगढ़ महोत्सव) का उद्घाटन करने पहुंचे राज्यपाल राम नाईक ने कही।

दो दिवसीय प्रभाश्री सम्मान समारोह के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान राज्यपाल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था सुधारने की जरूरत बतायी। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आजम खां के राज्यपाल पर राजनीतिक होने के आरोप की बात पर पहले तो उन्होंने कुछ बोलने से इनकार किया। फिर बाद में कहा कि इस सम्बन्ध में उन्हें कुछ नहीं कहना है। क्योंकि आजम खां ने उन्हें चार पन्ने का पत्र भेजा था, जो उनके पास पहुंचने से पहले मीडिया के पास चला गया। मामले की जांच राष्ट्रपति कर रहे हैं।

इसके पूर्व राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर प्रभाश्री सम्मान सम्मारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने (राज्यपाल) सोनभद्र में मूर्तिकला एवं इतिहास पर शोध एवं लेखन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को उन्होंने सम्मानित भी किया और यहां की प्रतिभाओं को हरसंभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। समारोह की अध्यक्षता गिरिधर मालवीय ने की और आभार ज्ञापन कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डा. सरबजीत सिंह डंग ने किया। संचालन जितेन्द्र सिंह संजय ने किया।

इस अवसर पर पं. रमाशंकर पाण्डेय विकल, नगर पालिका राबर्ट्सगंज चेयरमैन कृष्णमुरारी गुप्ता, ब्लाक प्रमुख मधुसुदन सिंह, राकेश कुमार, विनोद तिवारी आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

घोरावल में आयोजित देवगढ़ महोत्सव में सभा को सम्बोधित करते राज्यपाल राम नाईक और देवगढ़ महोत्सव में मौजूद लोग • हिन्दुस्तान

देवगढ़ महोत्सव का दीप जलाकर शुभारम्भ करते राज्यपाल राम नाईक • हिन्दुस्तान

देवगढ़ महोत्सव में पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल व अन्य अतिथि • हिन्दुस्तान

प्रभाश्री सम्मान समारोह में उमड़ी भीड़

घोरावल। घोरावल के देवगढ़ महोत्सव में राज्यपाल राम नाईक जैसे ही हेलीकाप्टर से उतरे ग्रामीणों की भीड़ देखकर गद्गद हो गए। उन्होंने मंच से भी इस बात का एलान किया कि अपने राजनीतिक जीवन में किसी भी गांव में आयोजित कार्यक्रम में अब तक इतनी भीड़ नहीं देखी। वहीं, राज्यपाल की सुरक्षा के लिए भी चाक-चौबंद व्यवस्था की गई। घोरावल में आयोजित देवगढ़ महोत्सव में राज्यपाल राम नाईक को देखने और सुनने वालों की कमी नहीं थी। हजारों की संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर महामहिम को सुनने के लिए एकत्रित हुए थे। इस दौरान महामहिम की सुरक्षा व्यवस्था और उनकी आगवानी करने के लिए विन्ध्याचल मंडल आयुक्त अनिल कुमार व पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल मंडल भी मौजूद रहे। महामहिम की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवानों को तैनात किया गया था। इस मौके पर प्रभारी जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह, एडीएम मनीलाल यादव समेत जिले के तमाम अधिकारी भी महामहिम की आगवानी में लगे रहे। हिसं

इन्हें मिला प्रभाश्री सम्मान

प्रभाश्री सम्मान समारोह के प्रथम सत्र में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को राज्यपाल ने सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. केवी पाण्डेय, कृषि क्षेत्र में डा. पृथ्वीराज सिंह, पत्रकारिता के क्षेत्र में कैलाश पति त्रिपाठी, प्रो. प्रभुनारायण सिंह, पीएन मिश्र को, संस्कृति क्षेत्र में प्रो. बीएल भल्ला को सम्मानित किया गया। इसी तरह डा. सीएम नौटियाल, दया शंकर पाठक, नरेश कात्यायन, गौरव कृष्ण वंसल, प्रो. ओमपाल सिंह निडर, सतीश चन्द्र शुक्ल भावुक, डा. आरपी नारयण, डा. श्याम प्यारी जायसवाल को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने राजनाथ मिश्र की अभय जीवन पथ, जितेन्द्र कुमार सिंह संजय की हिन्दी कवि और काव्य आलोचक, सोनभद्र का समाज, डा. बृजेश कुमार सिंह की छन्द रत्नाकर, लखनराम जंगली की आयुर्वेद मंजूषा, डा. प्रबोध कुमार सिंह की कर्मयोगी, ज्यूत नारायण पटेल, उमा शंकर तिवारी की बस इतना ही काफी है... पुस्तकों का लोकार्पण भी किया।

झलकियां

- शुक्रवार की सुबह से ही सुरक्षा व्यवसथा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिसमें जनपद के आला प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे
- अपराह्न 12 बजे पुलिस उपमहानिरीक्षक के देवगढ़ पहुंचने पर पुलिस विभाग की हलचल तेज हो गई
- अपर पुलिस अधीक्षक शम्भूशरण यादव को कई बार माईक से पुलिस कर्मचारियों को अपडेट रहने की नसीहत देनी पड़ी
- अपराह्न एक बजे राज्यपाल का उड़न खटोला देवगढ़ पहुंचने पर उड़न खटोला देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी

हेलीकाप्टर देखने के लिए उमड़ी भीड़

घोरावल। देवगढ़ महोत्सव में शामिल होने के लिए हेलीकाप्टर आए महामहिम को देखने के लिए ग्रामीणों को काफी भीड़ उमड़ी रही। जैसे ही हेलीकाप्टर हेलीपैड के करीब पहुंचा अचानक ग्रामीण हेलीपैड की तरफ टूट पड़े। ऐसे में पुलिस के उन्हें रोकना के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीण हेलीकाप्टर देखने के लिए हेलीपैड के काफी करीब आने लगे। पुलिस ने उन्हें बैरिकेटिंग के बाहर ही रोका रखा। गांव में पहली बार हेलीकाप्टर आने पर ग्रामीणों हेलीकाप्टर देखने को लेकर काफी उत्साह देखा गया। हिसं

पानी के लिए परेशान दिखे लोग

घोरावल। देवगढ़ महोत्सव के दौरान ग्रामीणों को पेयजल मुहैया कराने के लिए महज एक टैंकर पानी की व्यवस्था की गई थी, लेकिन जिस पर टैंकर खड़ा किया गया था वहां पुलिस जवानों को तैनात किया गया, जिसके कारण लोगों को पेयजल के लिए काफी परेशान होना पड़ा। हिसं

दैनिक जागरण वाराणसी, 14 मार्च 2015

अपराध रोकने में अखिलेश सफल नहीं : राज्यपाल

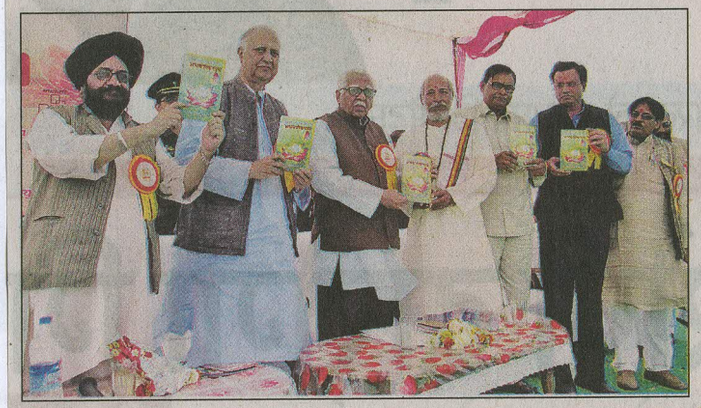

जनपद के देवगढ़ में महोत्सव के दौरान पुस्तक विमोचन करते राज्यपाल राम नाईक, न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय और अन्य विशिष्ट जन।

देवगढ़ महोत्सव

- दो दिवसीय महोत्सव के पहले दिन देश भर से पहुंचे दो दर्जन विद्वानों का सम्मान

नहीं आए मंत्री अंबिका चौधरी

घोरावल : देवगढ़ महोत्सव के उद्घाटन सत्र में मंत्री अंबिका चौधरी को आना था लेकिन वह नहीं पहुंचे।

जनपद के देवगढ़ महोत्सव के दौरान विद्वानों का सम्मान करते राज्यपाल राम नाईक और मंच पर उपस्थित अन्य विशिष्ट जन।

घोरावल (सोनभद्र) : राज्यपाल राम नाईक ने कहा है कि मुख्यमंत्री अखिलेश यादव प्रदेश के अपराध पर नियंत्रण की कोशिश तो कर रहे हैं लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिल पा रही है।

'देवगढ़ महोत्सव' का उद्घाटन करने के बाद मंच से उतरने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था लचर है। उन्होंने लखनऊ के लूट व हत्याकांड के साथ ही इलाहाबाद वकील हत्याकांड का भी जिक्र किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह आजम खां की बातों की नोटिस नहीं लेते और उनके बारे में कुछ नहीं कहेंगे। इससे पूर्व 'देवगढ़ महोत्सव' का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और धर्म हजारों साल से हैं। राम की कथा, कथा नहीं इतिहास है जिसे समय-समय पर हमें अपने संस्कृति के रूप में याद करते हैं। समाज के लोगों का कर्तव्य है कि अपना इतिहास याद रखें। अलग-अलग धर्मों के बीच सबसे पहले मानव धर्म होता है। हीरा निकालने के लिए कोयले की खदान में जाना ही पड़ता है। दो दिन तक चलने वाले महोत्सव के पहले दिन शुक्रवार को उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम में दर्जन-भर पुस्तकों का लोकार्पण व देश भर से आए दो दर्जन विद्वानों का सम्मान किया गया।

राज्यपाल का हेलीकाप्टर देवगढ़ में 12.55 पर उतरा। इस दौरान पूरा आयोजन-स्थल भीड़ से खचाखच भरा रहा। राज्यपाल भोजन करने के बाद 1.51 बजे पर मंच पर आए। उपस्थित लोगों ने खड़े होकर राज्यपाल उनका स्वागत किया। राज्यपाल, न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय व पूर्व मंत्री डा. सरजीत सिंह डंग ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभा सिंह की सस्वर सरस्वती वंदना-प्रस्तुति से कार्यक्रम आगे बढ़ा।

स्वागत-भाषण में डा. सरजीत सिंह डंग ने शिवद्वार व देवगढ़ समेत पूरे सोनभद्र जिले के इतिहास व महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस जनपद के उल्लेख के बिना देश का इतिहास अधूरा है। उन्होंने कहा कि शिवद्वार क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित कर इसका विकास कराया जाना चाहिए। अध्यक्षीय संबोधन में न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि देवगढ़ के लोगों में बहुत जागरुकता है। उनका उत्साह सर्वोत्तम है। इसके पूर्व पं. रमाशंकर विमल ने आकर्षक स्वागत-गान प्रस्तुत कर अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया। क्या भाई, मै हिंदी अच्छी बोल रहा हूं कि नहीं : राज्यपाल ने उस समय सबको आकर्षित किया जब उपस्थित लोगों से उन्होंने पूछा '..क्या भाई मै हिंदी अच्छी बोल पा रहा हूं कि नहीं!

हालांकि मै महाराष्ट्र का हूं..' लोगों ने सहर्ष तालियों की गड़गड़ाहट से इसका सकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इतने पिछड़े इलाके में लोगों का उत्साह सराहनीय है। लोग उत्सुकता से आए हैं इस बात से उन्हें काफी खुशी है। शिवद्वार क्षेत्र के विकास के लिए वह पूरा प्रयास करेंगे साथ ही विकास संबंधित सुझाव का स्वागत भी।